राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

शोध एवं प्रकाशन अनुभाग, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली-58 द्वारा प्रथमा दीक्षा (05 पुस्तक का सेट) की 10,000 सेट दो रंगों में मुद्रित किये जाने हैं। पाँचों खण्डों की कुल पृष्ठ संख्या 972 है। इन पुस्तकों का कवर 4 रंगों में मुद्रित होगा। पुस्तक का आकार 20x30/8 है। पुस्तक की बाईंडिंग परफैक्ट सिलाई सहित होगी। इस कार्य हेतु अनुभवी मुद्रकों/प्रकाशकों से निविदा आमंत्रित करता है। निविदा संबंधित नियम/शर्तें संस्थान की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in और भारत सरकार के केन्द्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल http://www.eprocurement.gov.in पर देखी जा सकती है।

कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.), नई दिल्ली
(शोध एवं प्रकाशन)

पत्रांक- रा.सं.सं./शो.प्र./पुन:मुद्रण/29/2018 **दिनांक 25.01.2018**

निविदा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार), नई दिल्ली के अन्तर्गत कार्यरत संस्था है। संस्थान द्वारा प्रथमादीक्षा (05 पुस्तक का सेट) का पुनर्मुद्रण करवाना है। पुनर्मुद्रण (उत्तम क्वालिटी) कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्तें निम्नवत् हैं-

1) इच्छुक मुद्रक/ प्रकाशक (5 वर्षों का संस्कृत पुस्तक मुद्रण का अनुभव हो) प्रमाणित दस्तावेज़ के साथ निर्धारित रूप में मुहरबंद निविदा, प्रभारी (शोध एवं प्रका.) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, 56-57, इन्स्टीट्शनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 के नाम विज्ञापन प्रकाशित तिथि से दो सप्ताह सायं 5.00 बजे तक स्पीड पोस्ट/ व्यक्तिगत रूप से भेज सकते हैं।
2) ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण हेतु नमूना कार्यालय समय में (शनिवार, रविवार एवं अवकाश दिनों को छोड़कर) संस्थान के विक्रय अनुभाग में देखा जा सकता है।
3) कवर डिजाइन संस्थान द्वारा निर्धारित है।
4) कागज 80 जी.एस.एम. का उपयोग करना वांछनीय है तथा निविदा के साथ पेपर का नमूना भी संलग्न करें।
5) मुद्रण कार्यादेश के दो माह के अन्दर पुस्तकें संस्थान के विक्रय विभाग में आपूर्ति करनी होगी तथा आपूर्ति हेतु व्यय का वहन मुद्रक द्वारा किया जाएगा।
6) प्रथमादीक्षा (05 सेट) की 10,000 प्रतियाँ मुद्रित की जायेगी। कुल पृष्ठ संख्या 972 है। पुस्तकों का कवर 4 रंगों में मुद्रित होगा। पुस्तक का आकार 20 30/8 है। पुस्तक की बाइंडिंग परफैक्ट सिलाई सहित होगी।
7) कार्यादेश के एक माह के अन्दर बाइण्डिग की हुई प्रत्येक पुस्तक की दो-दो डमी प्रतियॉ प्रकाशन खर्च के साथ कार्यालय में प्रस्तुत करनी आवश्यक है। ताकि एन.बी.टी. द्वारा प्रकाशन खर्च का आकलन करवाया जा सके। डमी प्रतियाँ सुपाठ्य न होने पर मुद्रणादेश निरस्त भी किया जा सकता है।

8) एन.बी.टी. द्वारा आकलित या मुद्रक द्वारा प्रस्तुत प्रकाशन खर्च में से जो राशि कम होगी उसका ही भुगतान नियमानुसार टैक्स कटौती के बाद किया जाएगा।

9) मुद्रक द्वारा प्रस्तुत प्रकाशन खर्च का भुगतान नियमानुसार टैक्स कटौती के बाद किया जाएगा।

10) पुस्तक के प्रत्येक सेट को पारदर्शी पॉलीथीन में पैक करके आपूर्ति करनी होगी, जिसका वहन मुद्रक द्वारा स्वयं किया जाएगा।

11) पुस्तकों की गुणवत्ता (मुद्रण, वाइण्डिग, जिल्द कवर, साईज एवं अन्य) पूर्ववत् या बेहतर होगी।

12) कवर पर पुस्तक का नाम, विवरण नमूनाकार के अनुसार छापना आवश्यक है।

13) निविदा के साथ 10 हजार की बयाना राशि (Earnest Money Deposit) के रूप में डी.डी. या अकाउंट पेई चैक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के नाम भेजना होगा। (बयाना राशि जमा न करने पर निविदा निरस्त मानी जाएगी।)

14) सफल निविदाकारों को कार्यादेश की राशि का 10% गारंटी राशि के रूप में डी.डी. या अकाउण्ट पेई चैक देना होगा (बयाना राशि घटाकर)। जिसे अन्तिम बिल में जोड़कर भुगतान कर दिया जाएगा। यह राशि बैक गारण्टी के रूप में भी दी जा सकती है जिसकी बैधता छः माह होनी चाहिए।

15) असफल निविदाकारों की जमा की गयी राशि वापिस की जाएगी।

16) समय पर पुस्तकें आपूर्ति न करने पर 1% प्रति सप्ताह के हिसाब से बिल में कटौती की जाएगी।

17) निविदा के सन्दर्भ में कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जनकपुरी, नई दिल्ली का निर्णय अंतिम होगा।

18) निविदा मूल्य प्रत्येक ग्रन्थ के प्रति पृष्ठ के अनुसार दिया जाए और इस प्रति पृष्ठ मूल्य में समस्त लागत (स्कैनिंग, छपाई, बाईण्डिग, सिलाई, पैकिंग, कवर, संस्थान तक आपूर्ति तथा अन्य समस्त लागत समाहित हो)

कुलसचिव (प्र.)